डिवर्मिंग कार्यक्रम

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार (SHSB), बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना (BEPC) तथा अन्तर्राष्ट्रीय संस्था डिवर्म दी वर्ल्ड (Deworm the World) ने अगस्त 30, 2010 को एक समझौता ज्ञापन पर संयुक्त हस्ताक्षर किया गया जिसमें पूरे राज्य में 6–14 वर्ष के सभी बच्चों को विद्यालय स्वास्थ्य के अन्तर्गत कृमि से मुक्त करने हेतु दवा प्रदान किया जाना है। वर्तमान में कृमि लोड का आकलन पटना एवं सुपौल जिले के सरकारी विद्यालयों के बच्चों में किया गया है। जिसके आधार पर पूरे राज्य में विद्यालय स्तर पर उक्त आयु वर्ग के बच्चों को मार्च 2011 तक एलबेंडाजोल टैबलेट खिलायी जानी है।

बिहार के अन्य जिलों जैसे गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद एवं अररिया में कृमि लोड का आकलन किया जा रहा है। आकलन से प्राप्त जानकारियाँ बच्चों के मास डिवर्मिंग के प्लानिंग तथा क्रियान्वयन में सहायक होंगे। अनुमानतः मास डिवर्मिंग में लगभग 200 लाख बच्चे लाभान्वित होंगे। इस दिशा में अन्य क्रियाएँ जैसे कि गुणवत्ता युक्त एलबेंडाजोल की ससमय खरीद पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

इन सारी योजना की सफलता हेतु राज्य स्तरीय विद्यालय स्वास्थ्य समन्वयक समिति की एक बैठक भी की गई है, जिसमें प्रधान सचिव, स्वास्थ्य, बिहार सरकार, प्रधान सचिव, मानव संसाधन विभाग, बिहार सरकार, प्रधान सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार, प्रधान सचिव, पी0एच0ई0डी0 विभाग, बिहार सरकार, कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना, क्षेत्रीय निदेशक–दक्षिण एशिया, डिवर्म दी वर्ल्ड, राज्य समन्वयक, डिवर्म दी वर्ल्ड एवं यूनिसेफ, पटना के प्रतिनिधि प्रतिभागी रहे हैं।

कार्यक्रम के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन एवं अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा हेतु विद्यालय स्वास्थ्य समन्वयक समिति की दूसरी बैठक 7 दिसम्बर 2010 को आहूत की गयी। कार्यक्रम के अंतर्गत 7 फरवरी 2011, 7 मार्च 2011 को राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलायी गयी तथा तृतीय चरण में 7 अप्रैल 2011 को शेष 21 जिलों में खिलायी जायेगी।